Unit 02 . नर्सिंग ऑकलन

(Nursing Assessment)

Q. स्वास्थ्य ऑकलन क्या है? स्वास्थ्य ऑकलन के घटक लिखिए।

What is health assessment? Write components of health assessment.

उत्तर- स्वास्थ्य ऑकलन में मरीज के स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी एकत्रित की जाती है जिससे नर्स व चिकित्सक को सम्पूर्ण जानकारी मिलने पर रोगी के निदान व उपचार की योजना में काफी मदद मिलती है।

यह एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया होती है जोकि मरीज की भर्ती से लेकर उसकी छुट्टी (discharge) तक लगातार चलती रहती है।

इसी के आधार पर नर्सिंग निदान (nursing diagnosis) तैयार किया जाता है।

इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य समस्याओं की पहचान करना होता है जिससे मरीज की शारीरिक (physical), मनोवैज्ञानिक (psychological) एवं सामाजिक (social) आवश्यकताओं के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हो।

In health assessment, information related to the patient's health is collected, which helps the nurse and doctor in planning the diagnosis and treatment of the patient when they get complete information.

This is an important process which continues continuously from the admission of the patient till his discharge. On this basis, nursing diagnosis is prepared.

The main objective of this process is to identify the problems so that complete information can be obtained about the physical,

nursingyan.com

psychological and social needs of the patient.

परिभाषा (Definition)

अमेरिकन नर्सेस एसोसिएशन (American Nurses Association) के अनुसार यह एक योजनाबद्ध प्रक्रिया है जिसके द्वारा नर्स रोगी से एवं अन्य महत्वपूर्ण लोगों से वार्तालाप करके रोगी के विषय में आँकड़े एकत्र करती है और उनका विश्लेषण करती है।

According to the American Nurses Association, it is a planned process by which the nurse collects and analyzes data about the patient by talking to the patient and other important people.

स्वास्थ्य ऑकलन के घटक (Component of Health Assessment)

स्वास्थ्य ऑकलन के मुख्य दो घटक होते हैं जैसे-

There are two main components of health assessment such as-

A. स्वास्थ्य इतिवृत लेना (Health history taking)- इसमें निम्न सूचनाएं एकत्रित की जाती हैं-

In this the following information is collected

1. जैविक सूचनाएँ (Biological data)
2. मुख्य समस्या (Chief complaint)
3. वर्तमान बीमारी का इतिवृत (History of present illness)
4. पूर्व स्वास्थ्य इतिवृत (Past health history)

nursingguan.com

5. शल्य चिकित्सीय इतिवृत (Surgical history)

6. प्रसूति संबंधित इतिवृत (Obstetrical history)

7. पारिवारिक इतिवृत (Family history)

B. शारीरिक परीक्षण (Physical examination)- इसमें निम्न सूचनाएं एकत्रित की जाती हैं-

In this the following information is collected

1. निरीक्षण (Inspection)

2. स्पर्श परिक्षण (Palpation)

3. परिताड़न (Percussion)

Q. स्वास्थ्य इतिवृत के दौरान नर्स रोगी की क्या जानकारी एकत्रित करती है?

What information a nurse collecting during health history of a patient?

उत्तर- इसके अन्तर्गत मरीज की व उसके परिवार की स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी एकत्रित की जाती है।

इसका मुख्य उद्देश्य है मरीज से subjective data (मरीज द्वारा बताई जाने वाली जानकारी) का संग्रहण करना।

स्वास्थ्य इतिवृत के दौरान नर्स निम्न जानकारी प्राप्त करती है-

Under this, health related information of the patient and his family is collected. Its main objective is to collect subjective data (information given by the patient) from the patient.

nursinggyan.com

During health history the nurse obtains the following information:

स्वास्थ्य इतिवृत्त का प्रारुप(Health history format)

1. जैविक सूचनाएँ (Biological Data)

• मरीज का नाम (Name of the patient)

• मरीज की आयु (Age of the patient)

• लिंग (Sex)

• वैवाहिक स्तर (Marital status)

• सामाजिक सम्बन्ध (Social relation)

• मरीज का धर्म (Religion)

• व्यवसाय (Occupation)

• वार्षिक आय (Annual income)

• पता (Address) आदि।

2. मुख्य समस्या (Chief complaint) -

मरीज की मुख्य समस्या के बारे में पूछा जाता है तथा उसे क्रमानुसार नोट किया जाता है।

The main problem of the patient is asked and it is noted in sequence.

3. वर्तमान बीमारी का इतिवृत (History of present illness)-

nursinggyan.com

इसके अन्तर्गत वर्तमान बीमारी के बारे में पूछा जाता है कि मरीज की बीमारी कब शुरू हुई और उसके चिन्ह व लक्षण क्या-क्या हैं जैसे- भूख न लगना, अनिद्रा, बैचेनी आदि।

Under this, it is asked about the present illness, when the patient's illness started and what are its signs and symptoms like loss of appetite, insomnia, restlessness etc.

4. पूर्व स्वास्थ्य इतिवृत (Past health history)-

इसके अन्तर्गत मरीज को पहले या पूर्व में हुई किसी बीमारी के बारे में पूछा जाता है जैसे- हृदय रोग, रुमेटिक फीवर (rheumatic fever), तीव्र ग्रहिता (allergy) आदि।

Under this, the patient is asked about any previous or previous disease such as heart disease, rheumatic fever, allergy etc.

5. शल्य चिकित्सीय इतिवृत्त (Surgical history)- इसके अन्तर्गत मरीज की पूर्व में हुई कोई शल्य चिकित्सा (surgery), ब्लड ट्रांसफ्यूजन (blood transfusion) एवं किसी दुर्घटना आदि के बारे में जानकारी एकत्रित की जाती है जोकि वर्तमान उपचार के लिए अत्यन्त आवश्यक होती है।

Under this, any previous surgery of the patient Information about surgery, blood transfusion and any accident etc. is collected which is very important for the current treatment.

6. प्रसूति संबंधित इतिवृत (Obstetrical history) -

इसके अन्तर्गत मरीज से पूर्व में व वर्तमान में हुई गर्भावस्थाओं व प्रसव एवं उनकी जटिलताओं के बारे में पूछा जाता है।

nursingguan.com

Under this, the patient is asked about past and present pregnancies and deliveries and their complications.

7. पारिवारिक इतिवृत (Family history) -

इसके अंतर्गत मरीज के परिवार के समस्त सदस्यों की स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी ली जाती है।

यदि कोई मृत है तो मृत्यु का कारण, जीवित है तो उसके स्वास्थ्य की अवस्था और परिवार में किसी को भी किसी प्रकार की बीमारी हो आदि पूछा जाता है।

Under this, health related information of all the members of the patient's family is taken.

If someone is dead then the cause of death is asked, if someone is alive then his health condition and whether anyone in the family has any kind of disease etc. is asked.

Q. शारीरिक परीक्षण के दौरान उपयोग में आने वाली विभिन्न तकनीकों को समझाइए।

Describe the different techniques used during physical examination.

उत्तर- शारीरिक परीक्षण के दौरान कई तकनीकों की सहायता से मरीज के शरीर का परीक्षण किया जाता है जिससे किसी भी प्रकार की विकृति, असामान्यता या रोग के लक्षणों का पता लगाया जा सके।

शारीरिक परीक्षण के लिए निम्न तकनीकों या तरीकों का उपयोग किया जाता है

During physical examination, the patient's body is examined with the help of many techniques so that any type of deformity,

nursingguan.com

abnormality or symptoms of disease can be detected. The following techniques or methods are used for physical examination-

1. निरीक्षण (Inspection)

2. दबाना/ स्पर्श परीक्षण (Palpation)

3. परिताड़न (Percussion)

4. परिश्रवण (Auscultation)

5. हिलाना डुलाना (Manipulation)

6. प्रत्यावर्तों का परीक्षण (Testing of Reflex)

1. निरीक्षण (Inspection)

यह शारीरिक परीक्षण का सबसे सामान्य तरीका होता है। इसमें शरीर के भागों का अवलोकन किया जाता है। अतः देखकर पता लगाया जाता है, जैसे-

This is the most common method of physical examination. In this, body parts are observed. Therefore, it is found out by looking, like-

- सूजन (Swelling)
- नीलापन (Cyanosis)
- पीलापन (Yellowishness)
- असामान्य संरचना (Unusual structure)
- आकृति (Shape)
- मरीज के चेहरे का भाव (Facial expression)

nursingyan.com

• मरीज के चलने का ढंग (Posture and gesture)

• मरीज की चैतन्यता (Level of consciousness) आदि।

2. स्पर्श परीक्षण (Palpation)-

इस विधि में नर्स मरीज के विभिन्न अंगों के आकार एवं स्थिति को ज्ञात करने के लिए उसके शरीर अथवा शरीर के किसी भाग को स्पर्श कर महसूस करके तथ्य एकत्रित करती है।

इस परीक्षण में अँगुलियों के पोरों के मांसल भाग का उपयोग किया जाता है। इसके द्वारा निम्नलिखित तथ्य एकत्रित किए जाते हैं-

In this method, the nurse collects data by touching and feeling any part of the patient's body or any part of the body to know the size and condition of various organs.

In this test the fleshy part of the finger tips is used. Through this the following facts are collected-

• शरीर के अंगों का आकार (Size of organ)

• शरीर के अंगों की स्थिति (Position of organ)

• शरीर का तापमान (Body temperature)

• शरीर का दर्द (Tenderness and pain)

• नाड़ी व हृदय की धड़कन (Pulse and Heart beat) आदि।

3. परिताड़न (Percussion)-

इस विधि के द्वारा नर्स मरीज के शरीर के किसी भाग पर (जिसका परीक्षण करना हो)

nursingguan.com

एक हाथ रखकर अँगुलियों के मध्य दूसरे हाथ की अँगुलियों से थपथपाकर (by tapping the finger) आवाज उत्पन्न करती है।

जिससे आंतरिक अंगों के बारे में निम्न सूचना इकट्ठी की जाती है, जैसे-

Through this method, the nurse produces sound by placing one hand on any part of the patient's body (which is to be examined) and tapping between the fingers with the fingers of the other hand.

Through which the following information is collected about the internal organs, such as-

• आंतरिक अंगों का आकार व स्थिति (Size and position of internal organ)

• अंगों में असामान्य कठोर मांस की उपस्थिति (Abnormal solid mass)

• अंगों व ऊतकों में तरल या गैस की उपस्थिति (Fluid and gas)

4. परिश्रवण (Auscultation) -

इस विधि में स्टेथोस्कोप (stethoscope) की सहायता से मरीज के शरीर के अन्दर की ध्वनियों को सुनते हैं, इसे ही परिश्रवण कहते हैं।

इस ध्वनि को सुनने के लिए स्टेथोस्कोप व फीटोस्कोप (stethoscope and fetoscope) इत्यादि का उपयोग किया जाता है, जैसे-

In this method, sounds inside the patient's body are heard with the help of a stethoscope, this is called auscultation. To listen to this sound, stethoscope and fetoscope etc. are used, like-

• हृदय धड़कन (Heart beat)

• फेफड़ों की ध्वनि (Lung sound)

nursingguan.com

• आँतों की ध्वनि (Bowel sound) आदि।

5. हिलाना-डुलाना / हस्त प्रयोग (Manipulation)-

इसे एक तरह से आघात (percussion) का प्रकार कह सकते हैं। इसके अन्तर्गत शरीर के किसी भाग की नम्यता या लचीलेपन की जाँच हेतु हाथों को घुमाते हैं जिसे हस्त प्रयोग कहते हैं।

In a way, this can be called a type of percussion are. Under this, hands are rotated to check the flexibility of any part of the body, which is called hand experiment.

6. प्रत्यावर्तों का परीक्षण (Testing of Reflex) -

बाह्य उद्दीपनों के प्रति ऊतकों के प्रत्युत्तर को परकशन हैमर (percussion hammer), सेफ्टीपिन (safety pin), गर्म व ठंड़े पानी (hot and cold water) आदि से जाँचा जाता है।

The response of tissues to external stimuli is tested with percussion hammer, safety pin, hot and cold water etc.

Q. शारीरिक परीक्षण के दौरान उपयोग में लाए जाने वाले उपकरणों की सूची बनाइए।

List down the equipments used during physical examination.

उत्तर- शारीरिक परीक्षण के दौरान प्रयुक्त मुख्य उपकरण निम्नलिखित हैं-

Following are the main instruments used during physical

nursingguan.com

examination-

1. स्टेथोस्कोप (Stethoscope)
2. ऑफ्थैलमोस्कोप (Ophthalmoscope)
3. ऑटोस्कोप (Otoscope)
4. ट्यूनिंग-फॉर्क्स (Tuning-forks)
5. स्नेलिन एल्फाबेट चार्ट (Snellen alphabet chart)
6. रूई के फोहे (Cotton swab)
7. ओरल थर्मामीटर (Oral thermometer)
8. रक्तचाप मापक उपकरण (B.P. instrument)
9. परकशन हैमर (Percussion hammer)
10. पैन लाइट (Pen light)
11. नापने वाला फीता (Measurement tape)
12. नेजल स्पेकुलम (Nasal speculum)
13. वैजाइनल स्पेकुलम (vaginal speculum)
14. रूलर (Ruler)
15. स्किन फोल्ड कैलीपर (Skin fold caliper)
16. गोनियोमीटर (Goniometer)
17. स्नेहक (Lubricant)
18. मार्कर पैन (Marker-pen) आदि।

nursingyan.com

Q. स्वास्थ्य ऑकलन में नर्स की भूमिका लिखिए?

Write down the role of nurse in health assessment.

उत्तर- स्वास्थ्य ऑकलन में नर्स की भूमिका निम्नलिखित होती है-

The role of a nurse in health assessment is as follows-

1. रोगी का कमरा पूर्ण रूप से ventilated करती है।
2. परीक्षण के दौरान रोगी की drapping करती है।
3. परीक्षण के दौरान एकांत बनाए रखती है।
4. परीक्षण के दौरान नर्स रोगी के साथ रहती है।
5. परीक्षण के लिए रोगी को तैयार करती है।
6. रोगी को आरामदायक स्थिति प्रदान करती है।
7. रोगी के अंगों को अनावश्यक एक्सपोज (expose) नहीं करती है।
8. परीक्षण से पूर्व रोगी को मल-मूत्र त्याग करवाती है।
9. मरीज का सहयोग एवं विश्वास प्राप्त करती है।
10. आवश्यकतानुसार मरीज के शरीर के भागों की स्थिति को बदलती है।
11. परीक्षण हेतु सारी सामग्री तैयार करती है।
12. मरीज को मनोवैज्ञानिक सहारा प्रदान करती है।
13. सम्पूर्ण सामग्री को विसंक्रमित (sterilized) करके रखती है।
14. परीक्षण के अन्त में प्राप्त परिणामों व निष्कर्षों को रिकार्ड करती है।

1. The patient's room is fully ventilated.

nursingjan.com

2. Performs draping of the patient during the test.

3. Maintains privacy during testing.

4. The nurse remains with the patient during the test.

5. Prepares the patient for testing.

6. Provides comfortable position to the patient.

7. Does not expose the patient's body parts unnecessarily.

8. Before the test, the patient is made to pass stool and urine.

9. Gets the cooperation and trust of the patient.

10. Changes the position of the patient's body parts as per requirement.

11. Prepares all the material for testing.

12. Provides psychological support to the patient.

13. Keeps all the material sterilized.

14. Records the results and conclusions obtained at the end of the test.

nursinggyan.com